

DPN 6512

Title : १) विभिन्न चक्र BIBHINNA CAKRA
2) न्यास संकेत NYĀSA SANKETA
3) गरुडपति पूजा GARUḌAPATI PŪJĀ
४) भंकेश्वरी स्तोत्र BĀKĒŚWARĪ STOTRA
५) नित्यार्चन विधि NITYĀRCANA VIDHI

Run. No. 7237

Cat. No.

Micro. No.

Subject Religion and Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 17 X 7

Folios 24

Lines (in a page) 6/5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□ आधार चक्र ॥ स्वाधिष्ठान चक्र ॥ मणिपुर चक्र ॥ अनाहत चक्र ॥ विशुद्धि चक्र ॥
आज्ञा चक्र ॥

P.T.O.

श्री देव्युवाच ॥ सर्वशंकेतकदेव त्वत्प्रसादाच्छ्रुतं मया ॥ न्यास शंकेत कंम...

तुमिच्छामि शंकरः ॥ श्री ईश्वर उवाच ॥

इति देवी ई-... बोधन न्यास शंकेत समाप्त ॥

ॐ श्री गुरुभूतिर्जयति ॥

इति गणपति पूजा ॥

ॐ नमो भंकेश्वरी देव्यै नमः ॥ आचमनं ३ ॥ ॐ ऐं त्रितत्त्वाय नमः ॥

इति श्री भंकेश्वरी देवी नित्यार्चन विधि समाप्त ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कालकृत ॥ ॐ



ॐ आधनवक्त्रं सूपाइ
 मि॥ ॥ वस ॥ षस ॥
 ॥ ॥ पृथिवीवक्त्रं सूपाइ
 पृथुयामि॥ ॥ व
 ना ॥ हंसवक्त्रं ॥ आधन
 मुकुमध ॥ ज्ञानप्रथमवक्त्रं

10

5



नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 योऽपि ज्ञानं प्राप्नुयान् ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

शकाद शया मि ॥ ॥ वरुमु य म तं ॥
 प्रशया मि ॥ ॥ श्री आकासं च काया इ
 शया मि ॥ ॥ विष्णु देवता ॥ शुक्रवर्णः ॥
 मानादि य शर्मा स्वाधि सुत च ॥

नमो भगवते वासुदेवाय

स्वाधि सुत च

10

5

0

cmnts.

5

10

15



नेने योकी द्विवर्चलक्षि
 मिखाय वीषट ॥ नेने
 मिनीपी ॥ ० लाल्ले ली लाकि
 वी पू वल्लु धा ४ वी अरु
 न व मा ग धा ३ ॥ मा
 व के सु पा इ का ये ध्या

नेने योकी द्विवर्चलक्षि ॥ १ ॥

रुठरुण गय दधन पर पाइ का ३ ॥ नेने
 नास्मिन् न चक ॥ रुदय प धन ॥ नू ड द
 वो इ को ॥ नू ॥ मनि पू न चक ॥



10

5

0

cmnts.

5

10

15



बहुनपाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible][illegible]

सुखनिवेद्यकः सुखीति नित्यं जनयायुः ॥ ज्ञेति नित्यं वक्तव्यं

ॐ श्यामि ॥ ॐ गिनील ऊनचक्र ॥
 थमनसैरानकमे शुभादिनील ऊनाक
 यूनवित्तामनीन ऊनादि शुभाक ॥ नामादि
 मन द्विषातसिद्धसाधयन् ॥ ॐ गिनी
 चक्रं लसाधयन् ॥ षट्चक्रविस्यष ॥ शिव
 षट्चक्र ॥ षट्चक्रविस्यष ॥ शिव

१ श्री दयवाच ॥ सर्वलोकतर्कदवत्वसदाकर्तृमया । न्यासलोकतर्कम
 इमिच्छामिर्लोक ॥ श्री ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मनुकीकविर्बहुर्वर्णनाक
 नमः साहाज्यजय तर्कलोकवदुष्टय ॥ नमो कयुजनेयाकी साहाज्य
 विर् । जयजयवकारे सा तर्कयामि मयुतर्क ॥ दोदोतया जयस्त्रीमानद
 यविषयतः ॥ सफकाटिमहामना डपमनाप्रतादृश ॥ विरुनकाटि
 मनुसंज्ञवर्तते । यथा कविधिनाया र्क सर्वसिद्धियदायिनी ॥ मारु
 वरुस्थानमनूला मविलामतः ॥ न्यासकृत्वा उपाधीमान् सर्वसिद्धि

तथैव ॥ मनुर्वर्णमनुनमःयुजा ॥ मनुर्वर्णमनु साहाज्य
 मनु जयजयकार ॥ मनुर्वर्णमनु तर्कयामि तर्कया ॥ ॥ ॥ वर्ण
 ॥ मनुर्वर्णवत ॥ ॥ नमः साहाज्ययुजाहाम ॥ नमः जयजय युजा सा
 तर्कयामि युजनेतर्क ॥ नूत्यन्तया उनीया ॥ नवीविधानि न्यासानि य
 साधकारुमे ॥ निवृत्तकिर्तयुर्त्वा यनयमादमायया ॥ ॥ तदनी ॥
 बोधनन्यासमर्कतममाक ॥

विश्वविद्यालय...
...
...
...
...

१००० गुणमूलिकं यति ॥ सो वरुणं दत्तं तत्सुलीयविनमृतं दत्ताय विष्णुर्जितं

विष्णुर्जितं वरुणं दत्तं तत्सुलीयविनमृतं दत्ताय विष्णुर्जितं
ता हने वीतने नमुनं रुकनी सदानं दत्ताय विष्णुर्जितं ॥ ॥ विन्दुलिका लोका
वृत्तं दत्तं मरुगलपती यन्तु सर्वविद्योद्यता गते ॥ ॥ यन्तु मरुगलपति युज
सिद्धिर्दत्ताय विष्णुर्जितं सर्वसम्यक्तुदायकं ॥ समालिख्य सुगन्धत युजय
लिय ॥ ॥ रित्यनुदाव ॥ ॥ तद्यथा मरुकादीत्युजयत ॥ मूलतः युष्माकं लिना वा
वाया लयति सुय ॥ धर्त ॥ वीजा पुनर्गद रुका मूक नृवा यत्ता द्रुया लयला व
लं विविशान नल कल स ॥ धाय कर्मा नृवा ॥ धया वल्ल रुया यय यक नया सिद्ध

10

5

0

cmnts.

5

10

15

10

57

[illegible]

शेषन

शेषन

अभि

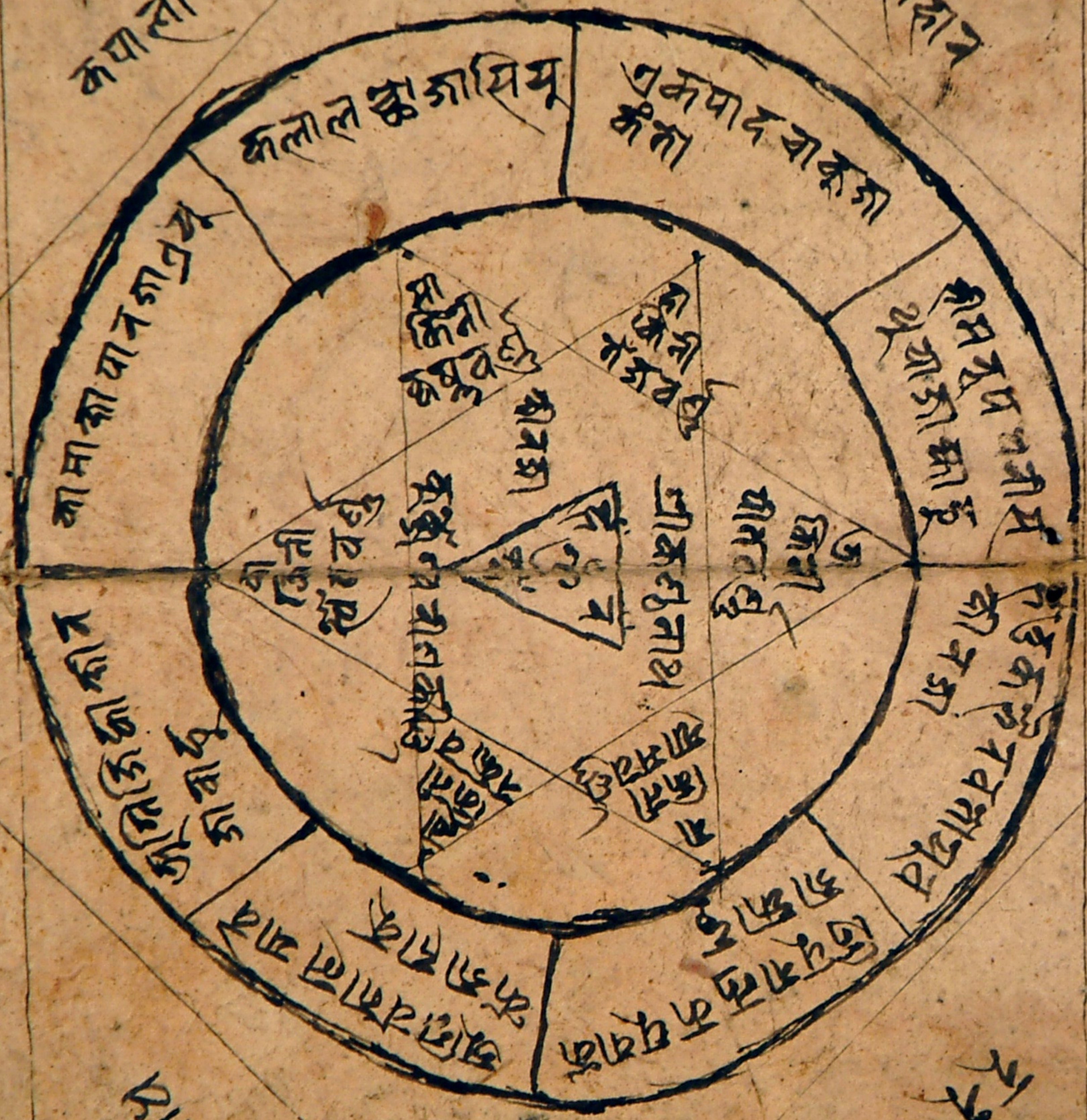
नि

ने

वृद्धि

का

इस



काल

काल

काल

काल

काल

काल

काल

काल

काल

काल

काल

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रसादात्
 प्राप्तास्त्वया धर्मज्ञानविभूतिरात्मिका ॥
 त्वमेव हि महाशये सर्वलोकपालका ॥
 सर्वधर्मपट्टाक्षरं सर्वभूतहृदि मतम् ॥
 त्वमेव ब्रह्मा त्वमेव विश्वकर्मा मया ॥
 सर्वत्र ते नमस्कृत्यैव शिष्य इव भारत ॥

विष्णुस्य वि

मयि

हस्त

मयि

(५) यूप्यादौ सत्तु विता मलि सदने सिंह पी भधि वृष्टि शुभं मे नय मरुति
वास्तिर्मुचास्तिर्मुचयं । जिह्वा दशालि याले दृष्ट कपिन महा मृग न न कि ता न
तां वला धर्म न वद दय गार्हा षर्मा राव यामि ॥ सिंह सु काल वक्रा जग न
या पाद वक्रा पि न गि मा रु ना मि ध्व सं सु कूटि न नि व महा दक्षि नी काल व कू
हो र्वे क पा र्ज ह न मू स न वला ही ति ख ता न्व रु नि वा वी हि मा रु वा र्घा क ति न
न तां मू क क ति न मा मि ॥ यो लो व क क पा ल मू द ल त र्ज क (८) मू ना न व प
द्यां ऋषु पा न हा न र्ध वला दे वा मु मा ला य र्ज । वि दू जि ह ति व म सा द न धि या रु था

तयः ४ याया दः ४ यलया वसौ तममथं कायालिक ४ नं कन ४ ॥ ॥ नकावलि ॥ दवीय
दक ताथय ॥ गजमुखे कदनाय ॥ नीलदीव वरुणकासा नका नायतलाय न ॥
लमाला रुवम ॥ निनेगा विक्रानतना ॥ जटामकूटस्य कर्णौ घर्घलागमयता वि
सुवाहनाय सपनिवानाय त्रोटकाधर्मां राऊटा कृष्णसुम्वर्णसन्निहा ॥ कना
दनाघास निर्माणी वृकतानना ॥ जिह्वाले लिङ्गमाताया ईश्वरकालास्यना
कलिकास्य रुवादेवी तवलादिप्रवयमि ॥ रुजद्वानकायतां नकिहस
वला ॥ कोविजो विहहकारी मयूनेव नवाहनाये ॥ म० ग० फू० रु० रु० विन्द २
रु० ०० मीमत्तु रु० मीमांसमज्जमदस्राय लया सिधु ३ ०० मीमत्तु
जो ३ रु० ३ रु० ३ मूकधनं यथाताम ईधं दत ई रु० २ ० लानि

ॐ नमो भूर्भुवः स्वः नमः ॥ आचमनं ३ ॥ ॐ नमो
गवाय नमः ॥ १ ॥ ॐ क्रीं विद्या तवाय नमः ॥ २ ॥ ॐ
आत्मगवाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ य नमो विवर्ग किं धीं नाथ
गोपयार्ने पश्ये कर्मस्व गुनूपायामूर्द्धावाव तेषां निमिः
स्मृतकायावपि राग च्छानदवस्कर्तव्यं च्छाल आर

च्छानमनसववाय ३ ॥ चन्दनाकर्तुं हस्तीनयनं
नयत् ॥ ॐ क्रीं यै च्छ ॥ धमस्तु नकन (अधर्न) धनन्या
याय ॥ ॐ नमो कनिष्ठाय नमः ॥ ॐ क्रीं अनामिकाय नमः
ॐ श्रीमक्षमाय नमः ॥ ॐ क्रीं गङ्गाय नमः ॥ ॐ क्रीं
गुष्ठाय नमः ॥ ॐ अफा यस्तु ॥ ॐ नि कर्तुं

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥

ह्यनवर्णय दक्षिणवकाय नमः॥ ॐ ह्रीं कूकूम
निर्सीकार्ग वासवकाय नमः॥ ॐ ह्रीं स्यामवर्णय
मवकाय नमः॥ ॐ ह्रीं अकाय इह ॥ ॐ निवकाय
स॥ ॥ ॐ श्रीं चैरुगवगाजूं हेरुसेरुचल
काले काया लिनी ॥ ॐ ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ॥ ॐ ह्रीं ॥

कैष्ठनीनमः॥ स्वाहा॥ नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥

मैत्रिनीनमः॥ स्वाहा॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमः ॥
विद्महे महा माह का धीमहे ॥ नमो भगवते
वा ॥ ॥ नमो भगवते वा ॥ ॐ नमः ॥
ॐ नमः भगवते वा ॥ ॐ नमः भगवते वा ॥
ॐ नमः भगवते वा ॥ ॐ नमः भगवते वा ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमः ॥
अहं नमः भगवते वा ॥ ॐ नमः भगवते वा ॥
ॐ नमः भगवते वा ॥ ॐ नमः भगवते वा ॥
ॐ नमः भगवते वा ॥ ॐ नमः भगवते वा ॥
ॐ नमः भगवते वा ॥ ॐ नमः भगवते वा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो नमो नमो नमो ॥ आवाहनादिथानिमूढा ॥
नमो नमो नमो नमो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
यनमः ॥ ॐ कलाक्षयनमः ॥ ॐ वक्ष्यक्षयन
॥ ॐ यदाक्षयनमः ॥ ॐ मकाक्षयनमः ॥ ॐ म
क्षयनमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वलिधाय

॥ थन वलि य जा ॥ ॐ जं जी ॐ हं हं कं
कि म हि ता य व लि गृ द्दं स्वा हा ॥ ॐ ३ अग्नि व ता ल हं
य मं कि स हि ता य व लि गृ द्दं २ स्वा हा ॥ ॐ ३ कं ला
न हं न वा य मं कि स हि ता य व लि गृ द्दं २ स्वा हा ॥
३ अग्नि डि द्वा हं न वा य मं कि स हि ता य व लि

द्दं २ स्वा हा ॥ ॐ ३ न क पा द हं न वा य मं कि स हि
व लि गृ द्दं २ स्वा हा ॥ ॐ ३ का ला द हं न वा य व लि
द्दं २ स्वा हा ॥ ॐ ३ पि पू ना न क हं न वा य मं कि स हि
य व लि गृ द्दं २ स्वा हा ॥ ॐ ३ शी म तृ प हं न वा य मं कि
हि ता य व लि गृ द्दं २ स्वा हा ॥ थ न हा व व लि ८

॥ श्रीनिमेषा ॥ ॥ श्रीनीय (०१) ॥ ॐ न

॥ आनीय (०१) ॥ डं न

क. ध्वनीदधनम॥ कंधुकसुवकाजीषा लि.

यं श्रेष्ठं नना । रुड दष्ट विना वध्वा । नागधर यः ।

गु॥ १ ॥ अरु या विरुका द्यम् चर्कु मंख

जिने । कलुनीधगदाधेव । लमहृषद्वोग

॥ २ ॥ श्री गुरु लवलंद ह्येक दधतीदरावा

सिंहवर्मो यनीक्षना हातालकालमष्टिना ॥

दुष्टमलकुसुमयुक्तं च लोकाया विनीतमुखं । तत्

म. यन् ह. वृ. लु. भा. ग. य. न. श. र. त्ता. न. न. आ. त्य. न. ह.

शताह्वयसिद्धिमुदञ्जलि। कंकमायानर

महालक्ष्मी सुवामर्क ॥ २ ॥ इमाह गवती स्या
विष्णुमण्डव्यवस्तिर्गिरिवन्धुकाशान्धविर्लु विर्लु
त्येगा ॥ ४ ॥ अद्यान्ना कलयन्धका सैम्यशूत्रमं
या । निवसप्रायालीनाङ्गी मा (अ) वद्वयवत्सर
॥ मुखकी वामनगानी । मसे काकनधनिनी । खी

महायन्त्री विष्णुध्वनिसमष्टि ॥ ६ ॥ कालात्रि
कुलाष्टवनव्यवस्तिर्गिरिवन्धुकाशान्धविर्लु
मरुलयद ॥ ७ ॥ विष्णुध्वनिसमष्टि ॥ ८ ॥
कनकाय ॥ १०७ ॥ ॥ विष्णुध्वनिसमष्टि ॥ ९ ॥
ध्वनिसमष्टि ॥ १०८ ॥ ॥ विष्णुध्वनिसमष्टि ॥ १० ॥

यकायनमिगतनय ननवा रुसुहडा याष्टा
होयनमयनमिगा कषु मूलिग (ये कां। आनि.
नाययादागिहुवननमिता दस्य गोयाय हति
कषु ध्वनीय जन धनसूष दान नल श्रीयदा
योगयी ० कर्म (ध्वनना धिवास) ई काल

रुभात्रुधु देहा ननेरुने ये चक नूपा
मूलि ॥ जं क ध्वनी महिमर्त सुविने नमानि
मं आदि ॥ ॥ ॥ ॥ वलिविस ईर्न ॥ उं जयः
महं ऊं जालाय वलि गेट् २ स्वाहा ॥ अ
सन वलिस लुच धान ३ ॥ नं अफां य इ

विंशर्जनयाय ॥ बलि वानकन ॥ ५

दली रमहा नयाया ॥ ॐ नि ॥ ॐ

ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुदेवकी देवी नित्या चै न नि ॥ श्री गुरुदेवकी देवी नित्या चै न नि ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥